वर्ष: 15 - अंक : 23, मुंबई, गुरुवार, 8 मई, 2025 RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

OPERATION SINDOOR

25 मिनट में आतंकियों के 9 ठिकाने जमींदोज

भारत की ओर से किए गए 'मिसाइल स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए

आतंक की फैक्टरी चलाने वाले लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद के अड्डों को निशाना बनाया

आतंकियों ने बनाए थे बंकर, बन गए कब्रगाह

साल 2018 में आतंकी संगठनों के नेताओं ने अपने मुख्यालयों और मस्जिदों के नीचे भूमिगत बंकर बनवाए थे, जिनमें रहने और संचार की पूरी व्यवस्था थी। वे इन बंकरों को पूरी तरह सुरक्षित मानते थे। लेकिन जब भारत ने इन पर हमला किया, तो यही बंकर आतंकियों के लिए मौत का फंदा बन गए।

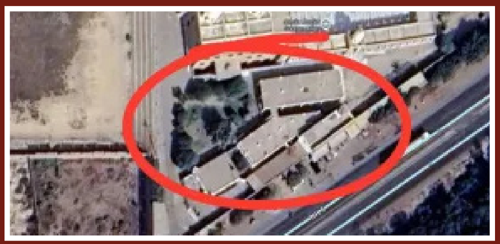

हमारी जांबाज महिला अफसर, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने सबूतों के साथ पाकिस्तान को दिखा दी औकात

पहलगाम का बदला
पाक दहला

मुंबई हलचल/संवाददाता

इस्लामाबाद। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और जबरदस्त हमले कर उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया है। इस हमले में कुल 9 स्थानों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में अफरा-तफरी मच गई है। आतंकवादी संगठनों के प्रमुख सदमे में हैं और गहरा शोक जता रहे हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारतीय सेना का खौफ अभी भी बना हुआ है। वहां स्थित पाकिस्तानी सेना के शिविरों में बत्तियां बुझा दी गई हैं, और अब भी एयर स्ट्राइक की आशंका का माहौल व्याप्त है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ऑपरेशन सिंदूर : पहलगाम में 26 सुहागनों का सिंदूर पोंछने वाले आतंकियों का भारतीय सेना ने नामो-निशान धरती से मिटा दिया

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

यह बस नमूना है

कहानी चौंका देने वाली है। मगर यह अस्पताल जिस मॉडल का हिस्सा है, उसमें ऐसी कहानियां भरी पड़ी हैं। और ये मॉडल सिर्फ स्वास्थ्य क्षेत्र का नहीं है। बल्कि शिक्षा, परिवहन, संचार आदि क्षेत्रों में भी यही मॉडल अपनाया गया है।

राजधानी दिल्ली के मशहूर अपोलो अस्पताल ने सरकार से जमीन लेते वक्त जो शर्त मानी थी, उसे उसने पूरा नहीं किया है, यह बात कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान सामने आई थी। तब कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि लीज शर्त का पालन नहीं हुआ, तो वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल का प्रबंधन संभाल लेने का निर्देश देगा। अब एक अंग्रेजी अखबार की खोजी रिपोर्ट से सामने आया है कि आखिर न्यायालय ने इतना सख्त रुख क्यों अपनाया। रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी के महंगे इलाके में एक रुपया महीने के प्रतीकात्मक किराये के आधार पर 15 एकड़ जमीन इस अस्पताल को दिल्ली सरकार ने दी। उसमें शर्त यह थी कि अस्पताल अपने एक तिहाई बिस्तर गरीब मरीजों के लिए आरक्षित रखेगा और उन मरीजों का मुफ्त इलाज करेगा। मगर अखबारी रिपोर्ट में बताया गया है कि जितने बिस्तरों का वादा था, उसका सिर्फ 17 प्रतिशत गरीब मरीजों को मिला। गरीबों के इलाज के आंकड़ों की कुछ खानापूर्ति ओपीडी इलाज के जरिए की गई, जहां मोटे तौर पर मरीजों को सिर्फ इलाज संबंधी सलाह दी जाती है। जाहिर है, यह कहानी चौंका देने वाली है। मगर हकीकत यही है कि ये अस्पताल जिस मॉडल का हिस्सा है, उसमें ऐसी कहानियां भरी पड़ी हैं। और ये मॉडल सिर्फ स्वास्थ्य क्षेत्र का नहीं है। बल्कि शिक्षा, परिवहन, संचार आदि क्षेत्रों में भी खासकर नव-उदारवादी दौर में यही मॉडल अपनाया गया है। मुनाफा प्रेरित निजी क्षेत्र की कंपनियों को सार्वजनिक संसाधन ट्रांसफर करने के लिए हर जगह गरीबों के कल्याण या देश की विकास जरूरतों का तर्क दिया गया है। लेकिन कभी यह ऑडिट करने की कोशिश नहीं हुई कि जो लक्ष्य बताए गए थे, उन्हें हासिल करने की दिशा में सचमुच कितनी प्रगति हुई है। यह कथा अक्सर परदे के पीछे ही रहती है, सिवाय कभी-कभार के, जब मामला न्यायालय में पहुंच जाता है। इसलिए यहां मुद्दा अपोलो अस्पताल को दंडित करने भर का नहीं है। मुद्दा है उस मॉडल की उपयोगिता पर बहस करना, जिसके तहत इस अस्पताल को सरकारी जमीन लगभग मुफ्त में दी गई।

शराब माफियाओं और सफेद पोशों की खुलेगी पोल, गिट्टी लदे ट्रक से मिली सैकड़ों कार्टून शराब भरी बोतलें

मुंबई हलचल/संवाददाता

खगड़िया। कमाल हो गया, गिट्टी लदे बड़े ट्रक में शराब का सैकड़ों कार्टून बरामद हुआ। आखिर कौन है गिट्टी का कारोबार करने वाले जो बालू गिट्टी व्यवसाय के आड़ में शराब माफिया बनकर धड़ल्ले से करोड़ों करोड़ रुपए की कमाई कर रहे हैं ? इस माफिया के पीछे किन किन सफेद पोश नेताओं का हाथ है जो पर्दे की आड़ में शराब माफिया से मिलकर इस धंधे को फैलने और फूलने में खुल कर मदद कर रहे हैं। बिहार में शराब बंदी है। कैसी शराब बंदी ? बड़े बड़े दस चक्का, 20 चक्का ट्रकों में भर भर कर दूसरे राज्यों से शराब की बड़ी बड़ी खेप खगड़िया में आ रही है। इसकी खपत भी हो रही है। इसमें बाईक सवार लड़कों की मदद भी ली जा रही है। इस धंधे में लिप्त लड़के ने अपना नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर कहा नीचे से लेकर ऊपर तक कमीशन के रूप में संबंधित अधिकारियों तक हर महीने के पूर्व में ही पहुंचा दिया जाता है। ज़िले के आला अधिकारियों को भी सब कुछ मालूम है, मगर शराब माफिया जैसे मगरमच्छ को छेड़ने की हिम्मत उनमें नहीं रहती है। क्योंकि ऐसे अधिकारी खुद मोटी मोटी रकम की अदायगी कर मालदार कुर्सी हासिल करते हैं। शांति पूर्वक कामना चाहते हैं। सोचते हैं, कौन इस लफड़े में पड़े। किस गिट्टी व्यवसाई ने ट्रक से गिट्टी मंगवाया। किस ट्रक वाले ने तहखाने में छुपाकर गिट्टी लड़े ट्रक में शराब को खगड़िया लाया। गिट्टी और शराब की डिलीवरी किसे करनी थी ? इन लोगों का ढूंढने और तहकीकात करने की आवश्यकता है। हाथ कंगन को आरसी क्या ? अब तो प्रमाण मिल गया, शराब माफियाओं और सफेद पोश नेताओं की बेनकाब करते हुए गिरफ़्तार करने की आवश्यकता है। देखते जाए आगे आगे होता है क्या ? क्या कारवाई की जाती है ? कौन कौन पकड़े जाते हैं ? वैसे पुराना इतिहास रहा है कि छोटी छोटी मछलियां ही पकड़ी जाती है। बड़ी बड़ी मछलियों की तरफ देखने पर उन्हें डर बना रहता है। फिर भी आम जनता तो जरूर जानना चाहेगी कि शराबबंदी वाले बिहार में सुशासन की सरकार में ऐसा क्यों हो रहा है ?

शायर अफजल मंगलोरी 'उत्तराखंड रत्न' सम्मान से विभूषित

देहरादून। उत्तराखंड का नाम देश विदेश में रौशन करने वाले अफजल मंगलोरी को भारत के बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और ब्यूरोक्रेट्स की 46 वर्ष पुरानी संस्था आल इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटेलेक्चुअल्स (ए आई सी ओ आई) द्वारा देहरादून के सुभारती यूनिवर्सिटी सभागार में उत्तराखंड रत्न से सम्मानित किया गया। संस्था के सचिव एड. अभय निधि शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा हर वर्ष भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों में साहित्य, समाजसेवा, शिक्षा, आपसी सद्भाव, पर्यावरण रक्षा, आदि क्षेत्रों में सेवा करने वाले समाज के हर वर्ग के मनीषियों को सम्मानित किया जाता है,जिस श्रृंखला में इस वर्ष साहित्य ,समाज सेवा और पत्रकारिता में गत 40 वर्षों से अपनी सेवाएं देने वाले,उत्तराखंड उर्दू अकादमी (भाषा संस्थान) के पूर्व उपाध्यक्ष रुड़की निवासी अंतर्राष्ट्रीय शायर अफजल मंगलोरी को उनकी सेवाओं के फलस्वरुप उत्तराखंड रत्न से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नैनीताल हाईकोर्ट लोक अदालत के जज जस्टिस राजेश टण्डन, सुभारती यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ अतुल कृष्णा, हिमालय वैलनेस के निदेशक डॉ एस फारूक, ने मेडल, पगड़ी, शाल, तथा सम्मान पत्र देकर यह सम्मान मंगलोरी को प्रदान करते हुए कहा कि मंगलोरी ने देश विदेश में उत्तराखंड का नाम रोशन किया तथा अनेक सम्मान प्राप्त किये जो प्रदेश के लिए भी गौरव की बात है। इस अवसर पर सुभारती यूनिवर्सिटी के कुलपतिडॉ हिमांशु एरन, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के, डी जी एम इंजी. साजिद अली,आई पी एस आर एस मीणा, एस पी देहरादून मुकेश ठाकुर पत्रकार इंद्राणी पांधी इंजी शमीम अंसारी आदि अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा मंगलोरी को बधाई दी। मंगलोरी की कविताओं का विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

उर्स-ए-ताजुश्शरिया में जायरीन की आँखों की रौशनी बने डॉ आफताब, मदरसा जामियातुर्ररजा में लगाया कैम्प

बरेली। उर्स-ए-ताजुश्शरिया में आये जायरीन की आँखों की रौशनी के लिए मदरसा जामियातुर्ररजा में डॉ आफताब आलम ने आँखों की जाँच के लिए कैम्प लगाया। इस कैम्प में डॉ आफताब ने कई जायरीन की आँखों की जाँच की और मुफ्त दवाई दी। उनकी टीम ने भी जायरीन की चिकित्सकीय खिदमत में पूरा सहयोग दिया। डॉ आफताब आलम का यह प्रयास उर्स-ए-ताजुश्शरिया में आये जायरीन के लिए एक बड़ी राहत की बात है। उनकी टीम के सहयोग से जायरीन को आँखों की समस्याओं से निजात पाने में मदद मिली। डॉ आफताब आलम के इस प्रयास से उर्स-ए-ताजुश्शरिया में दूर दराज से आये जायरीन को बड़ी राहत मिली। उनकी टीम के सहयोग से जायरीन को आँखों की समस्याओं का समाधान करने में मदद मिली।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साई मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एकम्स की नई पेटेंटेड 'टैबलेट इन टैबलेट' तकनीक से गर्भवती महिलाओं को राहत

मुंबई। भारत के प्रमुख फार्मास्युटिकल्स कॉन्ट्रैक्ट और मैन्युफैक्चरिंग आर्गेनाइजेशन में शुमार एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड को डॉक्सीलामीन और पाइरीडॉक्सिन का एक खास फॉर्मूलेशन बनाने का पेटेंट मिला है। यह दवा गर्भावस्था में होने वाली मतली और उल्टी की समस्या (NVP) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि महिलाओं को लंबे समय तक राहत मिल सके। गर्भवती महिलाओं को अक्सर मतली और उल्टी की समस्या होती है, जिसे NVP कहा जाता है। यह एक आम समस्या है। इससे लगभग 80% महिलाएं किसी न किसी रूप में प्रभावित होती हैं। ज्यादातर महिलाओं को गर्भावस्था के 16वें हफ्ते तक इस समस्या राहत मिल जाती है, लेकिन करीब 20% महिलाएं पूरी गर्भावस्था के दौरान इस परेशानी से जूझती रहती हैं। यह समस्या रोजमर्रा की ज़िंदगी, खानपान और संपूर्ण स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। इसी चुनौती को देखते हुए एकम्स ने एक नई और पेटेंट प्राप्त दवा तैयार की है, जो लंबे समय तक इस समस्या से राहत देने में मदद करती है। यह आविष्कार मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति माना जा रहा है क्योंकि इससे गर्भवती महिलाओं को काफी लाभ मिलने वाला है। इस नई खोज की खासियत एकम्स की 'टैबलेट-इन-टैबलेट' तकनीक है। यह टैबलेट दो हिस्सों में होती है - बाहरी हिस्सा जल्दी असर करता है और मतली से तुरंत राहत देता है, जबकि अंदर का हिस्सा धीरे-धीरे असर करता है ताकि राहत लंबे समय तक बनी रहे। इसका मतलब है कि बार-बार दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती। एक ही गोली में दो तरह का फायदा मिलने से इलाज आसान हो जाता है और गर्भवती महिलाओं के लिए इसे लेना भी ज्यादा सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाता है। कड़ी जांच और जैव-समानता (बायोइक्विवेलेंस) से जुड़े अध्ययन के बाद इस दवा को भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (DCGI) से मंजूरी मिल गई है। इससे यह साबित हुआ है कि यह दवा असरदार और सुरक्षित है। नियमों के अनुसार अध्ययन में शामिल लोगों की संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन रिजल्ट्स से यह साफ है कि यह दवा लक्षणों को बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में मदद करती है और मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाती है। इस मौके पर एकम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजीव जैन ने कहा, 'हम मानते हैं कि सच्चा नवाचार (खोज या आविष्कार) वहीं से शुरू होता है, जहाँ लोगों को असल दिक्कतें होती हैं। गर्भावस्था में होने वाली मतली और उल्टी के लिए बनाई गई ये नई दवा महिलाओं की सेहत के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दिखाती है। हमारा लक्ष्य है कि इस खास समय में महिलाओं को सुरक्षित और असरदार इलाज आसानी से मिल सके। हमें खुशी है कि हमने ऐसा कदम उठाया जो गर्भवती महिलाओं की ज़िंदगी को थोड़ा आसान बनाएगा और इलाज को और बेहतर व सुलभ बनाएगा।' एकम्स हमेशा दवाओं को बेहतर तरीके से बनाने पर ध्यान देता है। अब तक कंपनी ने 4,100 से ज्यादा दवाएं बाजार में उतारी हैं और 220 से ज्यादा नई दवाओं पर काम कर रही है। इसका असर न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनियाभर की दवा इंडस्ट्री में भी दिखता है। एकम्स के पास 12 फैक्ट्रियां, 4 रिसर्च सेंटर और 400 से ज्यादा वैज्ञानिक हैं। कंपनी में 16,000 से ज्यादा लोग काम करते हैं। कंपनी का मुख्य फोकस नई खोजों और बेहतर तरीके से काम करने पर रहता है, ताकि हेल्थकेयर की जरूरतों को अच्छे से पूरा किया जा सके।

कड़ेगाव तहसीलदार अजित शेलार का जिले में उल्लेखनीय उपलब्धि पे प्रथम स्थान आने से पानी संघर्ष समिति कडेगांव ने सम्मानित कर शुभकामनाएं दी

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। जिले के तहसील कडेगांव के तहसीलदार अजीत शेलार ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में तहसील के कार्यकाल के दौरान भू इंतकाल, लैंड पार्टिशन, तथा राजस्व इंद्राज को दुरुस्त करने में बेहतरीन कार्य किया हैं, इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा भू संबंधित मामलों के निपटारे के निर्धारित लक्ष्यों को पारदर्शिता के साथ पूर्ण करने की लिए सांगली जिलाधिकारी अशोक काकड़े ने उन्हें सांगली जिले में प्रथम क्रमांक देते हुऐ उन्हें प्रशस्ति पत्र,हार पुष्प गुच्छ,साल

देकर सम्मानित किया। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के कारण, कडेगांव तहसील का नाम सांगली जिले में प्रसिद्ध हो गया। तहसीलदार अजीत शेलर ने किसानों के लिए अवरुद्ध सड़कें खोलने, उत्तराधिकारियों का पंजीकरण करने, स्कूली बच्चों के लिए प्रमाण पत्र जारी करने, जाति प्रमाण पत्र जारी करने, कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने और राशन कार्ड जारी करने जैसे बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। साथ ही, जल संघर्ष समिति द्वारा बिजली, पानी और सड़क जैसे जनहित कार्यों को लेकर किए गए आंदोलन पर ध्यान देते हुए, तहसीलदार अजीत शेलार ने लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित किया है। जल संघर्ष समिति द्वारा उन्हें शुभकामनाएं देते हुऐ सम्मानित किया। इस अवसर पर जल संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु वरुडे, पदाधिकारी सिराज पटेल, संजय तडसरे, संजय सूपनेकर, जीवन करकटे आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

25 मिनट में आतंकियों के 9 ठिकाने जमींदोज

भारतीय सेना ने ऐसा तहलका मचाया है कि पाकिस्तान की सेना भी शोक में डूबी हुई है। बहावलपुर में हुए हमले के बाद आतंकियों की मौत पर पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने शोक संदेश भेजा और फूल चढ़ाए। हमले के बाद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर अब तक सामने नहीं आया और न ही वह मारे गए आतंकियों के जनाजे में शामिल हुआ। बहावलपुर शहर में स्थित मसूद अजहर के मदरसे पर चार मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में ह्यमरकज सुभानअल्लाहह्ल नामक आतंकवादी अड्डा पूरी तरह नष्ट हो गया। भारत की इस कार्रवाई ह्यऑपरेशन सिंदूरह्य में मसूद अजहर खुद तो बच निकला, लेकिन उसका पूरा परिवार मारा गया। मसूद के कई करीबी साथी भी इस हमले में मारे गए और उनका भी हिसाब पूरा कर दिया गया। मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय स्थित है। जब इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया, तो हाफिज सईद ने जमात-उद-दावाह्ल नाम से एक नया संगठन बनाया, जो दिखावे के तौर पर सामाजिक कार्यों में लगा था, लेकिन वास्तव में वह आतंकी फंडिंग और आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने का काम करता था। इसका नेटवर्क इतना फैला हुआ है कि पाकिस्तान भर में इसके लगभग 2500 मदरसे और कार्यालय फैले हुए हैं। 2008 में पाकिस्तान सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था और FATF ने भी इसे ग्रे लिस्ट में डाल दिया था, इसके बावजूद यह संगठन अलग-अलग नामों से आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, भारतीय मिसाइल हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए। यह हमला भारतीय सेना द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। जवाबी कार्रवाई के तहत भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित नौ आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर स्थित ठिकाना और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा शामिल था।

पाकिस्तान के अंदर के इन टारगेट्स पर किया था अटैक

सर्जल कैंप, सियालकोट: यह अंतरराष्ट्रीय सीमा से 6 किलोमीटर की दूरी पर है। मार्च 2025 जम्मू-कश्मीर के चार जवानों की जो हत्या की गई थी, उन आतंकियों को इसी जगह पर ट्रेन किया गया था।

महमूना जाया कैंप, सियालकोट: यह 12 से 18 किलोमीटर आईबी से दूर था, हिजबुल-मुजाहिदीन का बहुत बड़ा कैंप था। यह कठुआ में आतंक फैलाने का केंद्र था। पठानकोट एयरबेस हमला भी यहीं से प्लान किया गया था।

मरकज तैयबा मुरीदके: यह आईबी से 18 से 25 किलोमीटर दूरी पर है। 2008 के मुंबई हमले के आतंकी भी यहीं से परिशिक्षित हुए थे। अजमल कसाब और डेविड हेडली भी यहां ट्रेन हुए थे।

मरकज सुभानअल्लाह, भवलपुर: यह इंटरनेशनल बाउंड्री से 100 किलोमीटर दूर है। यह जैश-ए-मोहम्मद का केंद्र था।

आतंकी ठिकानों पर हमले की तैयारी कैसे की गई

आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की तैयारी के बारे में अधिकारियों ने बताया कि सशस्त्र बलों ने इन स्थलों पर संचालित हो रहे आतंकी शिविरों के बारे में 'गुप्त खुफिया जानकारी' पहले से जुटा रखी थी। इसी जानकारी के आधार पर पाकिस्तान में चार और पीओजेके में पांच स्थानों को चुना।

लाहौर से 30 किमी दूर मुरीदके स्थित लश्कर के मुख्य ठिकाने पर 4 हमले

अधिकारियों के अनुसार ऑपरेशन के दौरान लाहौर से लगभग 30 किलोमीटर दूर मुरीदके में लश्कर के मुख्य ठिकाने पर लगातार चार बार हमला किया गया. मुरीदके, 1990 से लश्कर का गढ़ है, जहां अजमल कसाब और नौ अन्य आतंकवादियों को मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले से पहले प्रशिक्षित किया गया था. अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, 26/11 हमले के आरोपी डेविड हेडली और तहव्वुर राणा भी वहां गए थे।

ब्लैक आउट के लिए कानपुर में सफलतापूर्वक की गई मॉकड्रिल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के अति संवेदनशील कानपुर में भी भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंकाओं के चलते हवाई हमले से बचाव को लेकर तेज हुई तैयारियों के क्रम बुधवार शाम 4 बजे से शहर के 13 स्थानों पर मॉकड्रिल की गई। जिसमें 10 स्थानों पर अग्निसुरक्षा और 3 स्थानों पर रेस्क्यू के लिए भी ड्रिल की गई। आग से बचाव की मॉकड्रिल यहां के बड़ा चौराहा, डॉ.एसके सिंह चौराहा, लखनपुर, अनुराग हास्पिटल शारदा नगर चौराहा, संतनगर चौराहा, मलिक गेस्ट हाउस, रामादेवी चौराहा, बासमंडी चौराहा, पाल चौराहा, दबौली मोड, श्रीमुनि इंटर कालेज गोविंद नगर और यशोदा नगर इंटर कालेज में रात साढ़े 9 बजे से 10 बजे तक शहर के अंदर ब्लैकआउट में सफलता के लिए की गई। इसी क्रम में डिप्टी डिवीजनल वार्डन प्रखंड रतनलाल नगर दीपनारायण दीक्षित ओमी और अन्य पदाधिकारी की मौजूदगी में दबौली मोड चौराहे पर भी गोविंद नगर के अतिरिक्त इंस्पेक्टर अभय सिंह और रतनलाल नगर के चौकी प्रभारी मनीष चौहान के साथ सब इंस्पेक्टर सूरज कुमार आदि की टीम ने भी मॉकड्रिल के आयोजन को सफलता पूर्वक करवाया। इस मॉक ड्रिल के बारे में अभी अवगत कराते चले कि इतने बड़े पैमाने पर यह कानपुर समेत देश में वर्ष-1971 में हुए युद्ध के दौरान हुई थी। इसमें सेना, एयरफोर्स, पुलिस, सिविल डिफेंस, एनसीसी, एसडीआरएफ जवान शामिल हुए।

भारत ने अपने दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब दिया 'ऑपरेशन सिंदूर' व जय हिंद के नारों की दहाड़ के साथ बदला लिया

केंद्र सरकार ने पहलगाम हमले के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सत्तापक्ष के साथ विपक्ष ने भी इसका समर्थन किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए भारतीय सेना की तारीफ की है। उन्होंने लिखा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद!

राजनेताओं, विपक्षी दलों समेत सेलेब्स ने भी भारत की कार्रवाई की प्रशंसा की

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर भारत की सैन्य कार्रवाई पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने बुधवार को कहा कि देश अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है। भारत अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है। भारत के दुश्मन चाहे कहीं भी हों, उन्हें उनके घर में घुसकर मारा जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माकूल जवाब दिया है और भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। इससे पहले शर्मा ने 'जय हिंद' के नारे के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर पोस्ट करते हुए पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर की पहुंची भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई की प्रशंसा की थी।

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने आतंकी कैंप ध्वस्त कर दिया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बोले

'शौर्य तेजः संयमश्च, यत्र भारतसैनिकाः। विजयं तेषु नित्यं स्यात, जयतु भारतमाता।।

देहरादून। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमलों के लिए भारतीय सेना को बुधवार को बधाई दी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में धामी ने पाकिस्तान का संदर्भ देते हुए कहा कि यह भारत की ओर से 'आतंकिस्तान' के खिलाफ जवाबी कार्रवाई है। एक अन्य पोस्ट में संस्कृत के श्लोक से शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, 'शौर्य तेजः संयमश्च, यत्र भारतसैनिकाः। विजयं तेषु नित्यं स्यात, जयतु भारतमाता।। उन्होंने इसका हिंदी में अनुवाद करते हुए लिखा, "जहां भारत की सेना है, वहां शौर्य, तेज और अनुशासन है। उन्हें सदा विजय प्राप्त हो-भारत माता की जय।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई भी दिखे खुश

भारत हमले बर्दाश्त नहीं करेगा

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओकेमें आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के लिए बुधवार को भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। एक्स में लिखा, 'पहलगाम का बदला ले लिया गया है और आतंकवादियों की रीढ़ तोड़ दी गई है। हर भारतीय को हमारे सशस्त्र बलों पर गर्व है और देश के दुश्मनों को अकल्पनीय सजा देने कापीएम मोदी द्वारा किया गया वादा पूरा हुआ है। आज पूरी दुनिया ने देख लिया कि भारत अपनी धरती पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा।

नीतीश ने पीएम मोदी के लिए कहा

पीएम मोदी के नेतृत्व पर सभी को अटूट विश्वास और गर्व

पटना। पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर घुसकर आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त करने की भारत की तीनों सेना की संयुक्त कार्रवाई पर बिहार में खास से लेकर आम तक खुशी का इजहार कर रहा है। आम लोगों ने सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना और पीएम मोदी को लेकर गौरवपूर्ण बातें लिखीं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने एक्स पर अपनी बातें शेयर कर लिखा, भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व है। आदरणीय पीएम मोदी के नेतृत्व पर हम सभी को अटूट विश्वास एवं गर्व है।

शरद ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

हमले के बाद कोई मूकदर्शक नहीं रहेगा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि आतंकी हमले के बाद कोई भी देश मूकदर्शक नहीं बना रह सकता और अब दुनिया में यह संदेश गया है कि 'भारत आक्रामक है।' पवार ने एक पोस्ट में यह भी कहा कि उन्होंने इस 'ऑपरेशन' के बारे में पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की तथा इस कठिन समय में सरकार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। पवार ने कहा कि इन आतंकवादी हमलों का जवाब देते समय सावधानी से कदम उठाना जरूरी था। इन हवाई हमलों के बाद दुनिया में यह संदेश गया है कि भारत आक्रामक है।

सीएम फडणवीस ने कहा

अब तो सबूत मांगने की कोई गुंजाइश नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सशस्त्र बलों और पीएम मोदी की बुधवार को सराहना की और कहा कि मिसाइल हमलों के वीडियो फुटेज सामने आने के बाद संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है। फडणवीस ने एक वीडियो संदेश में कहा हम भारतीय सशस्त्र बलों और पीएममोदी को इस हमले के लिए बधाई देते हैं। यह एक सटीक हमला था जिसमें नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इस बार हवाई हमले का वीडियो फुटेज उपलब्ध है, जिससे किसी के लिए भी इसका सबूत मांगने की कोई गुंजाइश नहीं है।

आंध्र के मुख्यमंत्री ने कहा

हमारा देश दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहा

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी शिविरों पर सफल हमले के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए मैं भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर योद्धाओं को गर्व के साथ सलाम करता हूं। अपनी बहादुरी और सटीकता के साथ उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया है कि हमारा देश अपनी रक्षा दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ करेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व ने भारत की ताकत और दृढ़ संकल्प को देखा है। उन्होने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट को साझा करते हुए जय हिंदलिखा। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री मोदी और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री मोदी को भी सेना के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद।

विपक्षी दलों ने भी कार्रवाई को सही कदम बताया

हम सरकार और सेना के साथ हर कदम का समर्थनः कांग्रेस

इस सैन्य कार्रवाई पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस की तरफ से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी सरकार और सेना के साथ है और उनके हर कदम का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की हर कार्रवाई का समर्थन करती है। खरगे ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भेदभाव नहीं है, सब एकजुट होकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और उसके शौर्य व पराक्रम पर हमें गर्व है। कांग्रेस पार्टी देश के वीर जवानों के साथ है। खरगे ने कहा कि कार्य समिति की बैठक में पार्टी ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर से उत्पन्न आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट और अडिग राष्ट्रीय नीति का समर्थन किया और भारतीय शस्त्र बलों के साहस को सलाम किया।

तेजस्वी बोले

हमें अपने वीर जवानों और भारतीय सेना पर गर्व

पटना। पहलगाम हमले के बाद आतंकी ठिकानों पर भारत की सटीक कार्रवाई पर आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, जय हिंद, भारत माता की जय। न आतंक रहे न अलगाववाद। हमें अपने वीर जवानों और भारतीय सेना पर गर्व है।

भारतीय सेना के साहसिक कदम सराहनीय, जय हिंद...!

पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर देश भर में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस अभियान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी अपनी प्रतिक्रिया दी है।उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक संक्षिप्त संदेश देते हुए लिखा—"जय हिंद! जय इंडिया!" इस एक पंक्ति के संदेश में उन्होंने न केवल भारतीय सेना के साहसिक कदम की सराहना की, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए इस निर्णायक कदम को भी अप्रत्यक्ष समर्थन दिया।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह वक्तव्य ऐसे समय पर आया है जब केंद्र सरकार की ओर से भी 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को लेकर आधिकारिक पुष्टि की गई है। देश के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि भारत ने बीती रात एक पूर्व-नियोजित और सटीक सैन्य अभियान चलाया, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचों को पूरी तरह नष्ट किया गया।

धर्म पूछकर मारा था, अब कर्म भुगतोः प्रियंका

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी भारतीय सेना की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर मारा था। अब कर्म भुगतो। चतुर्वेदी ने आगे लिखा, हर माथे का सिंदूर मिटने ना देंगे, मिटाया तो उसका जवाब देकर रहेंगे। जय जवान! जय हिंदुस्तान! जय हिंद!

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अमिताभ बच्चन ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

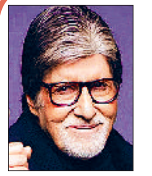

भारत सरकार की तरफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया गया है। इस ऑपरेशन के बाद अमिताभ बच्चन ने क्यों चुप्पी साध रखी है। आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक ने इस घटना की जमकर निंदा की थी। इसी कड़ी में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया था लेकिन उन्होंने अपने पोस्ट नंबर के अलावा कुछ नहीं लिखा था। बॉलीवुड सेलेब्स सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' लिखने में व्यस्त हैं।

भारत की गद्दी पर बैठा, बाप तुम्हारा मोदी हैः रवि किशन

पटना। भोजपुरी स्टार व भाजपा सांसद रवि किशन ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक्स पर पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने तेवर दिखाए हैं और लिखा, 'घर में घुसकर मारा है, कब्र तुम्हारी खोदी है, भारत की गद्दी पर बैठा, बाप तुम्हारा मोदी है। उनकी ये पोस्ट सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ कर रहे हैं और एक्टर की पोस्ट पर सहमति जता रहे हैं। एक शख्स ने इस पोस्ट पर लिखा, अब आया बेचैन दिल को करार।

हाल क्या हैं दिलों का ना पूछो सनम, आपका सत्ता में आना गजब ढा गया... कांग्रेस!

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। यह सही है कि देश की राजनीति भी अजीब शगूफा हैं। इसमें सफलता और कामयाबी स्थाई नहीं रहती हैं। और कोई भी राजनीतिक दल अपने दम पर सफलता अर्जित करें तो दूसरा राजनीतिक दल उसे पचा नहीं पाता है। और यही हाल देश में कभी एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी के साथ हो रहा है। उसे बीते कुछ सालों से भाजपा की मिल रही सफलता फूटी आंख नहीं सुहा रही हैं। हकीकत तो यह है कि देश की जनता अब काफी होशियार और समझदार हो चुकी है। वो अब वो भाबा के भाटे को पकड़ने वाली जनता नहीं रही हैं। वो अपना और देश का भला बखूबी समझती है। और यही कारण है कि देश में नरेन्द्र मोदी सरकार का पदार्पण हुआ है। और यही कांग्रेस सत्ता की मलाई चखने के लिए 2014 से लगातार हाथ पैर मार रही हैं मगर देश की जनता है कि उसे भाव ही नहीं दे रही हैं। और अभी हाल ही 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में गरीब महिलाओं को जो खटाखट एक लाख रुपए देने का वादा किया उसके पूरा नहीं होने की स्थिति में वह उसके गले की फांस बन गया है। ये भी सही है कि देश की जनता को जुमला या झूठ बोल कर सिर्फ एक बार बरगलाया जा सकता हैं बार बार नहीं। कांग्रेस का पुर्व में भी राजस्थान में दिए किसानों के कर्ज माफी वाले बयान से सत्ता में आई कांग्रेस द्वारा कर्ज.माफ नहीं किया गया, जो वो बयान पीछा नहीं छोड़ रहा कि यह खटाखट वाला बयान गले पड़ गया है। खैर ये तो कांग्रेस का अंदरुनी मामला है। अभी तरोताजा मामला नरेन्द्र मोदी के शपथग्रहण समारोह को लेकर है जिसमें उसके लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना भी कांग्रेस को फूटी आंख नहीं सुहा रहा है, पर एनडीए के बहुमत की संख्या पर्याप्त होने पर कांग्रेस आखिरकार कर ही क्या सकती हैं? हां यह सही है कि जिस तरह से बहुमत की सरकार होने पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार देशहित में निर्णायक फैसले लेना आसान समझती थी, पर वो शायद अब होगा नहीं। और हो भी क्यों नहीं, क्योंकि गठबन्धन की सरकारों में शुरू से ऐसा ही होता आया है। और नवनियुक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा करना नहीं चाहते, पर गठबंधन धर्म की मजबूरी भी शायद उन्हें ऐसा करने पर मजबूर करती हैं। पर भाजपा की निरंतर बढ़ती सफलता पर कांग्रेस की बेबसी और लाचारी को देखते हुए यही कहा जा सकता हैं कि बैठे हैं नदी के किनारे कभी तो लहर आएगी, पर शायद मुमकिन नहीं।

दंगों के लंबे समय बाद मुर्शिदाबाद गईं ममता, फोड़ा केंद्र पर ठीकरा

दंगा भड़काने वालों को बताया 'बंगाल का दुश्मन' केंद्र सरकार को सीमाओं की सुरक्षा करनी चाहिए

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्र सरकार पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने का आरोप लगाया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर सोमवार को सांप्रदायिक नफरत फैलाने और देश की सीमा की सुरक्षा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। बेनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल की हिंसा से प्रभावित परिवारों को भाजपा द्वारा उनसे मिलने से रोका जा रहा है। पिछले महीने हुए दंगों के बाद पहली बार मुर्शिदाबाद पहुंचने पर बेनर्जी ने कहा कि कुछ बाहरी लोग और कुछ धार्मिक नेता समुदायों के बीच हिंसा और दुश्मनी भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि जो लोग दंगे भड़का रहे हैं, वे पश्चिम बंगाल के दुश्मन हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की तीखी आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आयोग के सदस्यों के मुर्शिदाबाद के हालिया दौरे के मद्देनजर उसकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या एनएचआरसी के सदस्यों ने भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा किया था, जहां अब राष्ट्रपति शासन है। बंगाल जाने पर सवाल उठाया।

एनएचआरसी की भी तीखी आलोचना की

केंद्र को संवैधानिक जिम्मेदारी की भी याद दिलाई

ममता ने केंद्र को चेतावनी दोहराते हुए कहा कि सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के बजाय हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने केंद्र की उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी की भी याद दिलाई। जब आप कुर्सी पर होते हैं, तो आप लोगों को धार्मिक आधार पर नहीं बांट सकते।

एनएचआरसी यहां दौरा करने में तत्पर था

ममता ने आरोप लगाया कि क्या एनएचआरसी ने मणिपुर और उत्तर प्रदेश का दौरा किया? वे मुर्शिदाबाद का दौरा करने में तत्पर थे। जिस तरह 2016 में नोटबंदी की घोषणा के एक दिन बाद ऑनलाइन भुगतान मंच ने अखबारों में पहले पन्ने पर विज्ञापन दिए थे, उसी तरह एनएचआरसी ने दंगे होने के तुरंत बाद मुर्शिदाबाद का दौरा किया। यह पूर्व नियोजित था। मैंने अधिकतर साजिशों का पर्दाफाश कर दिया है, मैं मीडिया के सामने इसका पर्दाफाश करूंगी। कुछ मीडिया संस्थान बेबुनियाद बातें फैलाने में भाजपा के हाथों की कठपुतली बन गए।

प्रभावित परिवारों को 'जबरन' स्थानांतरित किया

बेनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मुर्शिदाबाद दंगों से प्रभावित परिवारों को 'जबरन' अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया ताकि वे उनसे मिल न सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा मुर्शिदाबाद दंगों से प्रभावित लोगों के परिवारों को वहां से दूर ले गयी ताकि वे मुझसे न मिल सकें। क्या यह अपहरण नहीं है? अगर मैं उनसे यहीं मिलती और उन्हें चेक सौंपती तो क्या नुकसान होता?

कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जाए

पहलगाम में हाल में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान, गिरफ्तारी और निर्वासन की मांग को लेकर भाजपा ने दक्षिण 24 परगना जिले के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। करीब 200 भाजपा कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री देबश्री चौधरी के नेतृत्व में प्रशासनिक भवन के पास एकत्र होकर राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस निर्देश पर अमल नहीं कर रही है, जिसमें सभी राज्यों से पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया है। चौधरी ने कहा कि हमें यकीन है कि दक्षिण 24 परगना और पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों में कई पाकिस्तानी नागरिक छिपे हुए हैं।

पुलिस ने रोका, एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा

प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने 'जज कोर्ट रोड' पर बैरिकेड लगाकर रास्ता रोका, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। केंद्र सरकार ने कश्मीर में शांति भंग करने के लिए आतंकवादियों को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बच्चियों की परवरिश उनकी हिफाजत पर खास ध्यान देने की जरूरत: मौलाना अदनान रजा

बरेली। उर्स-ए-ताजुशशरिया के मुबारक मौके पर ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी मुख्यालय बैतुर्रजा पर ताजुशशरिया कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस की सदारत करते हुए आरएसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अदनान रजा कादरी ने आतंकवाद, वक़्फ़ एक्ट, तालीम और बेटियों की हिफाजत पर नसीहत की। उन्होंने कहा कि इस्लाम में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है, इसके नाम पर इस्लाम और मुसलमानों को बदनाम करने वाले लोग मुल्क और इंसानियत के दुश्मन हैं। वक़्फ़ एक्ट की खुलकर मुखालफत करने के साथ-साथ उन्होंने तालीम पर जोर दिया और कहा बेटियों को साज़िश का शिकार होने से बचाएं ताकि उनका ईमान, इज्जत और जान महफूज रहे। हुजूर ताजुशशरिया के उर्स के मौके पर बैतुर्रजा पर मौलाना अदनान रजा कादरी की सदारत में ताजुशशरिया कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस में अदनान रजा कादरी ने अपने खुसूसी खिताब में कहा कि अगर हमें सही मायने में ताजुशशरिया से मुहब्बत और अकीदत है तो शरीअत के हर हुक्म पर अमल करना होगा। मौलाना ने कहा आतंकी हमलों के बाद इस्लाम और मुसलमानों को बदनाम करने की

साज़िशें नई नहीं हैं। साजिश करने वालो के खिलाफ हुकूमत को कार्रवाई करनी चाहिए जो माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। मुस्लिम बेटियों की इज्जत-आबरू और जान की हिफाजत की तरफ ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि बच्चियों की परवरिश और उनकी हिफाजत पर खास ध्यान देने की जरूरत है। ताजुशशरिया कॉन्फ्रेंस में नातो-मनकबत के नजरानों के साथ-साथ कई उलामा की तकरीरें हुईं। उलामा ने हुजूर ताजुशशरिया के ताजुशशरिया के इल्म, फैज, दीनी खिदमात और तकवे का ज़िक्र किया। आखिर में सलाम पढ़ा गया और हजरत अदनान मियाँ ने खुसूसी दुआ फरमाई। इस मौके पर हम्माद मियां, अब्दुल्ला मियां, अली रजा कादरी, सहित खानवादा ए रजविया के कई लोग और बड़ी तादाद में उलमा व आर ए सी के मौलाना नसीम बरकाती, मौलाना नजीर रजा, मुफ्ती उमर, हाफिज इमरान रजा बरकाती, जमाल अजहरी एडवोकेट सलमान हसन खान साहब, हन्नान रजा, अम्मार रजा, अली रजा साहब, मुशाहिद रफात, गुलफाम हसनी, आसिफ रजा, सैयद सफदर, मौलाना उस्मान रजा,काशिफ रजा,फुरकान रजा,रिजवान रजा आर ए सी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बोर्ड रिजल्ट आने से बढ़ी अभिभावकों की चिंता डीआरडीओ निदेशक से लगायी गुहार

देहरादून। सीबीएसई के बोर्ड परीक्षा परिणाम नजदीक आने से रक्षा अनुसंधान विद्यालय के अभिभावकों में अपने बच्चों के एडमिशन की चिंता बढ़ने लगी है जिसके लिये उन्होने नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स (एनएपीएसआर) के माध्यम से डीआरडीओ के निदेशक व सचिव को पत्र लिख कर इसी शैक्षिक सत्र से स्कूल मे 11वीं व 12वीं कक्षा संचालित करने की गुहार लगाई है। एनएपीएसआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान के अनुसार अभिभावकों द्वारा एक पत्र संस्था के माध्यम से डीआरडीओ के निदेशक को भेज कर मांग करी है कि हमारे बच्चे आपके विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं और आप सबके अथक प्रयास और आशीर्वाद से हमारे बच्चों ने इस वर्ष हाई स्कूल की परीक्षाएं दी हैं और ये हमारे लिए गर्व की बात है कि उनके छोटे भाई-बहन भी आपके ही विद्यालय मे आपके

सानिध्य मे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। क्योंकि रक्षा अनुसंधान विद्यालय मे आर्थिक मानसिक संतुष्टि के साथ ही यह भी अनुभूति होती है की हमारे बच्चे अनुभवी,उच्चशिक्षित,मर्यादित,व बच्चों के भविष्य की चिंता करने वाले शिक्षकों व मैनेजमेंट के सानिध्य मे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। चूंकि रक्षा अनुसंधान विद्यालय अभी हाई स्कूल तक ही है तो हम अभिभावकों के समक्ष इनका रिजल्ट आने के बाद इनके एडमिशन की चिंता खड़ी हो गयी है और उनके भविष्य को लेकर हम सभी अभिभावक परेशान हैं और हम यह भी जानते हैं कि आपका विद्यालय अभिभावकों एवं छात्रों के हित एवं उनके भविष्य के लिए सदैव अग्रसर रहा है और रक्षा अनुसंधान विद्यालय को वर्ष 2015 मे 12वीं तक कि मान्यता मिल चुकी है और विद्यालय के पास कक्षा व शिक्षक दोनो ही उपलब्ध हैं बस आपकी एक हां से अभिभावकों व छात्रों की समस्या का समाधान हो सकता है। इसलिए हम सभी अभिभावक नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के माध्यम से आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि कृपया विद्यालय मे इसी सत्र से कक्षा 11 व 12 का संचालन शुरू किया जाए ताकि हम सभी अभिभावक अपने बच्चों के एडमिशन और उनकी शिक्षा की चिंता से मुक्त हो सकें। पत्र भेजने वालों मे कविता खान, सीमा नरूला, प्रीति शर्मा, शिवांनी जोशी, विनीता, अमिता नरूला, रानी, प्राची, दीपा दशिला, चंदा बिष्ट, बीना बिष्ट, अनिल नरूला, आशीष नरूला, विकास यादव, आरिफ खान, इत्यादि शामिल रहे।

पत्रकार सुनील शेवराबाई ज्ञानदेव भोसले को दूसरी बार महाराष्ट्र राज्य लोकतांत्रिक पत्रकार संघ का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया और उन्हें सम्मानित किया गया

संवाददाता/संवाददाता

पुणे। पुणे सर्किट हाउस में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, पुणे जिले में सक्रिय पत्रकार संघ लोकशाही प्रेस संघ के महाराष्ट्र राज्य की ओर से, लोकशाही प्रेस संघ, महाराष्ट्र संघ, घुमंतु, विमुक्त, जनजाति, आदिवासी, क्षेत्र अध्यक्ष, आदर्श पत्रकार सुनील सुज्ञान, ज्ञानदेव भोसले को दूसरा मौका दिया गया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा हलीमताई शेख संजय बाबा सरोदे पत्रकार स्नेहा उत्तम मडावी का चयन किया गया। इस अवसर पर चयन का प्रमाण पत्र प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रताप सालुंखे पाटिल, संस्थापक अध्यक्ष भागवत वैद्य साहेब, पत्रकार सुनील (सुज्ञान), ज्ञानदेव भोसले, महिला मोर्चा श्रद्धा कंदुदे, जयश्री बस्ते, नासिक मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कदम द्वारा प्रदान किया गया। नंदा भंडारे बीड के गणमान्य व्यक्तियों के शुभ हाथों आयोजित बैठक में डेमोक्रेटिक जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ कई मुद्दे उठाए गए, जैसे कि संगठन को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है, संगठन का कार्य और स्वरूप वास्तव में क्या होगा, इस व्यवसाय की प्रकृति और इस संगठन के माध्यम से महिलाओं के लिए रोजगार सृजन आदि।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार अजीजुद्दीन शेख हुए सम्मानित

खरगोन। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खरगोन में आयोजित एक भव्य समारोह में निष्पक्ष पत्रकारिता और समाज सेवा में चार दशकों से योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीजुद्दीन शेख को सम्मानित किया गया। यह आयोजन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट, ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी, कौमी एकता कमेटी बाकानेर, अखिल निमाड़ लोक परिषद बाकानेर इकाई, परख साहित्य मंच तथा प्रेस क्लब बाकानेर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शेख साहब को शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, किताबें, गुलदस्ता और फूलमालाएं भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक श्री विनोद कुमार सकुंडे, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के पूर्व प्रबंधक श्री अश्विनी गुप्ता, और प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय महासचिव श्री सैयद रिजवान अली ने प्रदान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में शेख साहब ने कहा, मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है, लेकिन प्रेस को अब तक संवैधानिक दर्जा नहीं मिला है - केवल सम्मान तक ही सीमित रखा गया है। महंगाई के इस दौर में प्रिंट मीडिया की स्थिति गंभीर है और पत्रकारों की सुरक्षा भी एक बड़ा मुद्दा है। आज भी यदि कोई पत्रकार सच्चाई लिखना चाहता है, तो उसे अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। श्री अजीजुद्दीन शेख को इससे पूर्व भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है। पत्रकारिता उन्हें विरासत में मिली है—उनके पिताजी शमसुद्दीन शेख, मीसा बंदी और समाजसेवी पत्रकार के रूप में ख्यात रहे। वर्तमान में उनके भाई शफी शेख और पुत्र आमिर शेख भी पत्रकारिता के माध्यम से समाज सेवा में संलग्न हैं। उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल 2013 को भोपाल में आयोजित समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शेख साहब को 'शहीद कैप्टन अब्दुल हमीद पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया था। इस सम्मान के अंतर्गत एक लाख रुपये की राशि भी प्रदान की गई थी, जो उनके द्वारा सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देने के उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया था। आज भी शेख साहब का नाम एकता, सद्भाव और न्यायपूर्ण पत्रकारिता के प्रतीक के रूप में आदर के साथ लिया जाता है। उन्हें सम्मानित करने वाली संस्थाएं स्वयं को गौरवान्वित और सौभाग्यशाली मानती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जावेद अख्तर, शंकर महादेवन, सोनू निगम, प्रसून जोशी समेत 25 से अधिक दिग्गजों ने लॉन्च किया 'गुनगुनालो' - भारत का पहला आर्टिस्ट-ओन ऐप

भारतीय संगीत जगत के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन दर्ज हो गया जब जावेद अख्तर, शंकर महादेवन, सोनू निगम, समीर अंजान, प्रसून जोशी,सलीम मर्चेंट, अरुणा साइराम, हरिहरन, आनंद - मिलिंद, मनन शाह, राजू सिंह और संगीत क्षेत्र की 30 से अधिक जानी-मानी हस्तियों की उपस्थिति में 'गुनगुनालो' नामक भारत का पहला आर्टिस्ट-ओन कल्चरल ऐप लॉन्च किया गया। यह भव्य कार्यक्रम मुंबई के जियो वर्ल्ड, बीकेसी, बांद्रा के स्टूडियो थिएटर में आयोजित किया गया। गुनगुनालो एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे कलाकारों ने खुद के लिए और अपने जैसे कलाकारों के लिए बनाया है। यह ऐप न सिर्फ संगीत को समर्पित है, बल्कि कविता, कहानी और अन्य रचनात्मक अभिव्यक्तियों को भी स्थान देता है। इस पर ओरिजिनल कंटेंट, अनरिलीज क्लासिक, मार्गदर्शन सत्र, मास्टर क्लास, जैम सेशन, ओपन माइक और फैंस के साथ डायरेक्ट कनेक्शन जैसे फीचर्स होंगे। गुनगुनालो के संस्थापक सदस्यों में जावेद अख्तर, शंकर महादेवन, सोनू निगम, श्रेया घोषाल, अरिजीत सिंह, प्रसून जोशी, समीर अंजान, विशाल ददलानी, अमित त्रिवेदी और अन्य प्रमुख नाम शामिल हैं। टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ श्रीधर रंगनाथन द्वारा यह ऐप डेवलप किया गया है और इसके सीईओ की भूमिका में हैं शरली सिंह।

गुनगुनालो को लेकर क्या बोले दिग्गज

जावेद अख्तर: 5 मई 2025 एक ऐतिहासिक दिन है। गुनगुनालो कलाकारों को अपनी मर्जी से रचना करने की आजादी देता है। यहां किसी निमार्ता या म्यूजिक कंपनी की शर्तें नहीं होंगी, बल्कि कलाकार अपनी आत्मा से संगीत रच सकेंगे। यह दुनिया भर में पहली तरह की चीज है। ऐसा पहले कहीं नहीं हुआ है। म्यूजिशियन, गीतकार और गायक मिलकर एक कंपनी शुरू करें उसमे वे शेयर होल्डर हों, ऐसा ऐप है गुनगुनालो। इसमे पूरी रचनात्मक आजादी के साथ कलाकार गीत क्रिएट करेंगे और कोई कमेटी उनके काम को चेक नहीं करेगी। एक प्लेटफॉर्म पर इतने सारे आर्टिस्ट हैं लेकिन वे एक दूसरे के काम में दखलंदाजी नहीं करेंगे। इसके जो मेंबर्स हैं वे नई प्रतिभाओं को भी परिचित कराएंगे। नए गायकों, गीतकारों और कंपोजर को भी एक्सपोजर मिलेगा।

शंकर महादेवन: ¤गुनगुनालो प्लेटफॉर्म आर्टिस्ट के लिए और आर्टिस्ट द्वारा बनाया गया है। यह संगीत का अगला अध्याय लिखने का मंच है। आज हम सब आर्टिस्ट के लिए बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन है। तमाम आर्टिस्ट का जो सपना रहा है, वो इस प्लेटफार्म के माध्यम से पूरा होने जा रहा है। हर सफल और पॉपुलर आर्टिस्ट के मन में भी कुछ अलग करने की ललक होती है जो गुनगुनालो के जरिए पूरी होगी।

सोनू निगम: 90 के दशक में जब मैं मुंबई आया था, तब भी हम कुछ अलग करना चाहते थे। अब गुनगुनालो उस क्रिएटिव फ्रीडम का मंच है जिसकी हमें तलाश थी।

समीर अंजान: म्यूजिक क्षेत्र के लोगों के लिए इससे बेहतर कोई दिन नहीं हो सकता।वर्षों के सपने और बहुत कोशिशों के बाद यह ऐप लॉन्च हुआ है। चाहे वे लोकगीत गाने वाले सिंगर हों या क्लासिकल गाने वाले, हर कलाकार के लिए इससे बेहतर प्लेटफार्म नहीं मिल सकता। क्रिएटर को यहां संपूर्ण आजादी दी जाती है कि वे जो करना चाहते हैं उसे कर सकते हैं। गीतकार कंपोजर को शिकायत थी कि वे फिल्मों के लिए निमार्ता निर्देशक और सिचुएशन के अनुसार काम करते हैं मगर गुनगुनालो उन्हें रचनात्मक स्वतंत्रता देता है। यह इतिहास के पन्नों पर दर्ज होने वाली शुरूआत है।

प्रसून जोशी: लोगों को लगता है कि आर्टिस्ट के पास माईक है, मंच है, तो उन्हें कहने के लिए और किस चीज की जरूरत है। मगर जो लेखक, संगीतकार होते हैं उन्हें एहसास होता है कि वे अपनी बात नहीं कह रहे हैं बल्कि किसी और की बात कह रहे हैं। यह एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां वो अपने मन की बात कह सकते हैं। फिल्मों के लिए काम करते हुए यदि उन्हें लग रहा था कि उनके पंख उड़ते समय किसी इमारत से टकरा रहे थे तो अब इस ऐप के रूप में उनके पास उड़ान के लिए खुला आसमान है। शास्त्रीय गायक बंदिशों को गाते हैं जबकि फिल्मों के लिए हमें बंदिशों में काम करना पड़ता है पर अब इस ऐप के आने से वो बंदिशें कलाकारों पर से हट जाएगी। गुनगुनालो हमें बिना किसी बंधन के सोचने और रचने की स्वतंत्रता देता है। सुनने वालों का भी हक है कि उन्हें कलाकारों के दिल की आवाज सुनने को मिले।

श्रीधर रंगनाथन (संस्थापक सदस्य): पिछले 4 साल से हम लोग इस ऐप पर काम कर रहे हैं। सभी आर्टिस्ट को एक साथ लाना काफी चुनौतियों भरा काम रहा मगर वर्षों की मेहनत के बाद अब यह प्लेटफार्म तैयार है जिस पर हर उम्र के श्रोताओं और दर्शकों के लिए ओरिजिनल कंटेंट है। **wwwgoofgooflocom** पर जाकर कोई भी कलाकार या प्रशंसक रजिस्टर कर इस रचनात्मक परिवार का हिस्सा बन सकता है।

शरली सिंह (सीईओ): अगर आप सपने देखने वाले हैं, तो गुनगुनालो वह जगह है जहां आपको होना चाहिए। यह गणित बदलने वाला प्लेटफार्म है। आम तौर पर जब किसी आर्टिस्ट का कोई गीत रिलीज होता है तो उसका अधिकार मेकर्स या म्यूज़िक लेबल के पास होता है मगर यहां खुद आर्टिस्ट अपने गाने का मालिक होता है क्योंकि यह कंपनी उसकी भी है तो जो भी रेवेन्यू आता है वह उसका भागीदार बनता है।

हरिहरन: यह मंच दूसरे प्लेटफॉर्म से इसलिए अलग है क्योंकि आर्टिस्ट इस कंपनी के मालिक स्वयं हैं। मुझे उम्मीद है कि कुछ बेहतरीन म्यूज़िक प्रोड्यूस किया जाएगा, जो श्रोता गुनगुनालो पर सुन सकेंगे।

सलीम मर्चेंट: ये कला, संगीत के लिए बहुत बड़ा मौका है। हम सब किसी और के बताए हुए कहानी पर लिखने, कंपोज करने के आदी हो चुके हैं मगर यह ऐसा ऐप है जहां आप जो महसूस करते हैं, जो सोचते हैं, उसे जाहिर कर सकते हैं। हमारे यहां फिल्म म्यूज़िक को हीरो समझा जाता है हालांकि पिछले कुछ सालों में इंडिपेंडेंट म्यूज़िक ने श्रोताओं को खूब लुभाया है। हमारी कम्यूनिटी बहुत सारे लोगों को प्रेरित करेगी। यह ऐप मास्टर क्लास, बिहाइंड द सीन कंटेंट जैसे अनोखे फीचर्स से भरा है।

सुलेमान मर्चेंट: यह एक ऐतिहासिक पहल है, जो कलाकारों को सशक्त बनाएगी। यह अपनी तरह का पहला स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म है। यह बहुत बड़ी चीज है। ये कंपनी तमाम आर्टिस्ट, गीतकारों और गायकों की है।

राजू सिंह: यह मंच हमारे उन अधूरे सपनों को पूरा करेगा जो हम मार्केटिंग दबाव के कारण नहीं साकार कर पाए। हम अपनी आजादी के साथ अपने ख्याल को यहां पेश कर सकेंगे। हम सब बहुत उत्साहित हैं कि नया क्या क्या कर सकते हैं।

ललित पंडित: हम इस दिन की वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब यह ऐतिहासिक ऐप हमारे सामने है।

आनंद - मिलिंद: गुनगुनालो उन रचनाओं को सामने लाएगा जो हमारे दिल के करीब हैं। गुनगुनालो गीतकार, संगीतकार और गायक सभी आर्टिस्ट के लिए बहुत महत्वपूर्ण और बेहतरीन प्लेटफार्म है। फिल्म इंडस्ट्री में संगीतकार गीतकार को निमार्ता निर्देशक म्यूज़िक कंपनी से लेकर हीरो हीरोइन तक कई लोगों को संतुष्ट करना पड़ता है। लेकिन यह ऐसा प्लेटफार्म है जहां हम अपनी पसंद के, दिल से बनाए गाने देंगे और हमें विश्वास है कि वे गीत श्रोताओ को अवश्य पसंद आएंगे। हम गीतों में मेलोडी और शायरी वापस लाने का प्रयास करेंगे।

अरुणा साईराम: मैं आज बहुत खुश हूं क्योंकि गुनगुनालो के शेयर होल्डर में मैं भी शामिल हूँ। मैं शास्त्रीय संगीत की गायिका हूं लेकिन मन में विचार था कि कभी गैर शास्त्रीय कलाकारों के साथ कुछ गाने बनाऊं। गुनगुनालो के माध्यम से मुझे वो संभावना नजर आ रही है।

पापोन: दुनिया में ऐसा कोई ऐप नहीं है जो कलाकारों को इतनी आजादी और साझेदारी दे। विश्व भर में इस तरह के ऐप का कोई उदाहरण नहीं मिलता। इसमे सभी आर्टिस्ट मिलकर काम करेंगे और बनाए गए गाने किसी म्यूज़िक कंपनी द्वारा जारी नहीं किए जाएंगे बल्कि गुनगुनालो के प्लेटफार्म पर ही इसे रिलीज किया जाएगा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है और अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि ऐसा हकीकत में हो रहा है। यही म्युज़िक का भविष्य होने वाला है।

शान: यह वास्तव में ऐतिहासिक है। इस की शुरूआत बहुत अच्छी नियत के साथ हुई है। और जो भी दिल से किया जाता है उसका परिणाम अच्छा ही निकलता है। हमारी कोशिश होगी कि हम अपना बेस्ट सांग गुनगुनालो मे रखें, और हमें ऐसे ही श्रोता मिलेंगे जो संगीत प्रेमी हों और म्युज़िक को समझने वाले होंगे।

एहसान नूरानी: यह मंच हमें अपनी शर्तों पर कुछ नया और अलग रचने का मौका देता है। यह एक यूनिक प्लेटफार्म है जिसके ओनर भी आर्टिस्ट ही हैं। इसमें नए नए कोलेब्रेशन की बेशुमार संभावनाएं हैं। इसमे न तो फिल्म मेकर, स्टार्स का कोई प्रेशर होगा न सीन की मांग के अनुसार क्रिएट करने की शर्त होगी बल्कि बहुत हेल्दी माहौल में शुद्ध संगीत तैयार किया जाएगा। संभावना यह भी है कि गुनगुनालो पर रिलीज हुआ कोई गीत फिल्म वालों को पसंद आ जाए और वे इसे अपनी फिल्म के लिए इस्तेमाल करें।

श्वेता मोहन: इंडिपेंडेंट गानों की आत्मा को यह ऐप सहेजेगा और लोगों तक पहुंचाएगा।

अनुषा मणि: इस प्लेटफॉर्म से जुड़ी टीम ही इतनी प्रेरक है कि मैं तुरंत इसका हिस्सा बन गई। हमारे जैसे आर्टिस्ट चाहते हैं कि इंडस्ट्री मे हमें ऐसा सपोर्ट मिले। यह प्लेटफार्म हमारे क्रिएटिव एक्सप्रेशन का जरिया है। अपना मन चाहा म्युज़िक हम शेयर कर सकें और उससे रेवेन्यू भी कमा सकें, यह हम सब के लिए बहुत बड़ी बात है।

मनन शाह: म्युज़िक के लीजेंड के साथ गुनगुनालो का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। पूरी क्रिएटिव स्वतंत्रता के साथ यहां गीत बनाना एक अलग ही अनुभव होने वाला है। यह ऐप कलाकारों के लिए वरदान साबित होगा।

अमिताभ भट्टाचार्य: उम्मीद है कि ये प्लेटफार्म म्युज़िक से जुड़े कलाकारों के लिए गेम चेंजर सिद्ध होगा। फिल्मों के लिए काम करने के दौरान हमें कई आइडिया आते हैं, जिन्हें करने की इच्छा होती है उन्हें इस प्लेटफार्म के द्वारा किया जा सकेगा। आनंद मिलिंद, ललित पंडित जैसे संगीतकारों के साथ मुझे काम करने का मौका नहीं मिला, गुनगुनालो के माध्यम से उनके साथ सहयोग करने का अवसर मिलेगा।

सिद्धार्थ महादेवन : हम आर्टिस्ट अपने गाने अपनी ही कंपनी गुनगुनालो पर रिलीज करेंगे। इसकी यूएसपी यह भी है कि हर आर्टिस्ट एक दूसरे के गीतों को प्रमोट करेगा जिससे सभी तरह के कलाकारों के हर प्रकार के गाने श्रोताओं की बहुत बड़ी संख्या तक पहुंच सकेंगे। अभी इसमें 30 से ज्यादा म्युज़िक के दिग्गज जुड़े हैं लेकिन जल्द ही इससे सैकड़ों हजारों कलाकार जुड़ेंगे।

विशेषताएं और आगामी आयोजन: इस ऐप के अंतर्गत 'गुनगुनालो ओरिजिनल्स' के तहत श्रेया घोषाल का विशेष गीत सबसे पहले रिलीज होगा। साथ ही अरिजीत सिंह के साथ गायकी वर्कशॉप, इरशाद कामिल के साथ लिरिक्स लैब और सलीम-सुलेमान के प्रोडक्शन सेशन जैसी गतिविधियां होंगी। 'फैनवर्स' फीचर में फैंस मर्चेंडाइज डिजाइन करेंगे, क्राउडफंडिंग करेंगे और वर्चुअल मीटअप्स में हिस्सा लेंगे।

संस्कृति का भविष्य गुनगुनालो के साथ: शंकर महादेवन ने अंत में कहा, यहां अरुणा साईराम और सोनू निगम या विशाल-शेखर और कौशिकी चक्रवर्ती जैसे अद्वितीय कोलेब्रेशन देखने को मिलेंगे। यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा का नया डिजिटल स्वरूप है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जाह्नवी ने मेट गाला 2025 में नेटिजन्स को लिया आड़े हाथ

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने मेट गाला 2025 में भारतीय भागीदारी की आलोचना करने वाले ट्रोल्स को आड़े हाथों लिया है। डाइट सब्या की पोस्ट पर एक तीखे इंस्टाग्राम कमेंट में, उन्होंने भारतीय कारीगरों और डिजाइनरों पर अब चमक रही वैश्विक सुर्खियों का जश्न मनाया। उन्होंने मेट गाला 2025 में नेटिजन्स को आड़े हाथ लिया। जाह्नवी कपूर ने कहा कि यह सही समय था। हमारे कारीगर और डिजाइनर दुनिया में सबसे अच्छे हैं। वे मेट जैसे वैश्विक मंच पर सुर्खियों के हकदार हैं। क्या हमें खुश नहीं होना चाहिए कि हमें आखिरकार अपना हक मिल रहा है, बजाय इसके कि हम इस बात पर दुखी हों कि हमारे अपने लोगों को इस मंच पर देखकर यह थोड़ा कम महत्वाकांक्षी लग रहा है। क्या मैं कह सकती हूं कि हमारे परिधान सबसे शानदार थे। यह मजेदार है कि हम खुद के प्रति लगभग वर्गवादी कैसे हो रहे हैं, स्पष्ट रूप से औपनिवेशिक आघात ने हमें नहीं छोड़ा है? जाह्नवी कपूर ने भारतीय शिल्प कौशल की समृद्ध विरासत पर भी प्रकाश डाला। जाह्नवी कपूर ने लिखा कि दशकों से, हमारे कारीगरों का काम हमारे देश से निर्यात किया जाता रहा है और बिना किसी क्रेडिट के वैश्विक मंचों पर रखा जाता रहा है। दशकों से, उन्होंने हमारे कपड़े, हमारी कढ़ाई, हमारे वस्त्र, हमारे आभूषण उधार लिए हैं और इसे एक ऐसी रचना के रूप में प्रस्तुत किया है जिसके वे असली मालिक हैं।

विराट से नाराज हैं अनुष्का!

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, इस वीडियो में अनुष्का शर्मा विराट कोहली को इग्नोर करते हुए नजर आ रही है। जिस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि अवनीत कौर कांड के बाद लगता है अनुष्का शर्मा विराट कोहली से नाराज हो गई हैं और यही कारण है कि वह उनको इग्नोर करते हुए नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो बेंगलुरु का है। आइए जानते हैं इस वीडियो को देखकर फैंस अनुष्का शर्मा की नाराजगी का अंदाजा क्यों लग रहे हैं? सोशल मीडिया एक्स पर विराट कोहली 18 क्लब नाम के ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो जारी किया गया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं विराट कोहली अनुष्का शर्मा को कार से उतारने के लिए दरवाजा खोलते हैं और हाथ आगे बढ़ते हैं लेकिन अनुष्का शर्मा उनका सहारा नहीं लेती हैं, बल्कि वह उन्हें इग्नोर करके आगे बढ़ जाती हैं। अनुष्का शर्मा को फॉलो करते हुए विराट कोहली भी उनके पीछे-पीछे जाते हैं। इस दौरान अनुष्का शर्मा ने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूजर्स अब यह अंदाजा लगा रहे हैं कि अवनीत कौर कांड के बाद अनुष्का शर्मा विराट कोहली से नाराज हो गई है।

आतंकी हमले में शहीद हुए थे निमरत कौर के पिता

बॉलीवुड एक्ट्रेस निमरत कौर ने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया है। उन्होंने बताया कि वह एक शहीद की बेटी हैं और वह जानती हैं कि आतंकी हमले में मारे जाने वालों के परिवार का दर्द क्या होता है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में भी लिखा है कि हम हमारी सेना के साथ हैं। एक देश। एक मिशन। जय हिंद। ऑपरेशन सिंदूर। निमरत कौर ने बताया ऑपरेशन सिंदूर भारत सरकार और सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर चलाया जिसमें आतंकियों का ठिकाना नष्ट किया गया। उन्होंने कहा मैं ऑपरेशन का समर्थन करती हूं। इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंकवाद जिंदगियां बर्बाद कर देता है। पहलगाम में लोग छुट्टियां मनाने गए थे। वहां ऐसी दुखद घटना हुई। हमारा मकसद है कि ऐसी घटनाएं फिर से न दोहराई जाएं।